[श्री हरिकेश बहादुर]

देने चाहिए कि अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये ।

(v) NEED TO IMPOSE EXCISE DUTY ON TABACCO INSTEAD OF BEEDIS

SHRI AJIT KUMAR SAHA (Vishnupur): Sir, I would like to make the following statement under Rule 377 and ask the Finance Ministry to make a statement thereon:—

Since the introduction of Central Excise Duty on produced Beedies per thousand, cooperative Beedi producing societies are facing an unequal competition from individual Beedi producers who evade Central Excise duty by locating their main production units at remote villages and beyond the reach of Excise Inspectors. Major portion of individual Beedi manufacturers production is thus left beyond the excise duty resulting into advantage vis-a-vis produce of cooperative Beedi producing societies.

This evasion of excise duty can only be checked if the levy is imposed on tobacco and not on produce Beedies which will also ensure healthy competition between cooperative Beedi societies and individual producers.

I demand, therefore, that the levy imposed on produced Beedies may be cancelled and the impost may be made on tobacco so that healthy competition between cooperative Beedi Societies and individual Beedi producers is ensured.

(vi) ALLEGED CARELESSNESS BY DOCTORS IN SAROJINI NAIDU HOSPITAL, AGRA.

श्री राम बिलास पासवान (हाजीपुर) : देश में डाक्टरों द्वारा मरीजों के साथ कितनी लापरवाही बरती जा रही है और डाक्टरों की लापरवाही के कारण मरीजों की क्या दुर्गति होती है, उसका एक उदाहरण सदन के समक्ष रखना चाहता हूं ।

14 सितम्बर, 1980 को आगरा के सरोजिनी नाइडू मेडिकल कालेज में सर्जरी विभाग के अध्यक्ष द्वारा सहेब सिंह यादव नाम के एक गरीब व्यक्ति का पेट का आपरेशन किया गया । श्री यादव इटावा जिले के पिलखर ग्राम का निवासी है ।

सभापति महोदय: आपने "कालेज" कहा है या "हास्पिटल" ?

श्री राम बिलास पासवान : वह मेडिकल कालेज और हास्पिटल है ।—यह फ़ोटो खींचा है । इसमें बहुत बड़ी कैंची दिखाई देती है ।

सभापति महोदय : क्वेस्चन आवर में देखा था ।

श्री जार्ज फर्नाण्डीस (मुजफ्फरपुर) : इसको सभा-पटल पर रखा जाये ।

सभापति महोदय : नहीं, नहीं ।

श्री राम बिलास पासवान : मैं पढ़ने के बाद रख * देता हूं ।

पिछले माह जब उसके पेट में भीषण दर्द होने लगा, तो वह पुनः उस अस्पताल में दिखाने गया । वहां डाक्टरों ने कहा कि पहले बाहर से एक्स-रे करवा लो । उसके बाद उसे प्राईवेट एक्स-रे वालों के यहां ले जाया गया । जब उसका एक्स-रे करवाया गया, तो पता चला कि उसके पेट में छः इंच लम्बी कैंची छोड़ दी गई है ।

इस मामले के सम्बन्ध में आगरा मेडिकल कालेज के छात्र संघ के अध्यक्ष द्वारा पिछले माह मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री (उत्तर प्रदेश) को भी ज्ञापन दिया गया, लेकिन अभी तक किसी तरह कार्रवाई नहीं की गई है । मरीज के पेट में अभी तक कैंची ज्यों की त्यों है और मरीज मत्यु से जूझ रहा है ।

*The speaker not having subsequently accorded the necessary permission, the document was not treated as laid on the Table